



आभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 9, दिसंबर - 2021

मार्गदर्शक श्याम सुंदर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक	मुख्य संपादक लोकेश विश्वादी, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	संपादक निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	उप संपादक मनोज कुमार साहू वरिष्ठ अनुवादक
--	---	--	---

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव आम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्वादी, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा.) श्री आशीष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबासाहेब अद्वितीय प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। उनके जीवनकाल में देश में छुआ-छूत का माहौल था। ऐसे माहौल में दलितों के लिए शिक्षा ग्रहण करना कठिन कार्य था। परंतु उन्होंने शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ 02 संस्थानों, कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और विधि एवं राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किए। उन्हीं के आजीवन संघर्ष और कठोर परिश्रम का



परिणाम है कि आज हमारे देश में प्रत्येक नागरिक को सम्मान के साथ जीने और अपना समग्र विकास करने का अधिकार मिल सका है। हम जिस गणतांत्रिक व्यवस्था में सांस ले रहे हैं, वह डॉ. आम्बेडकर की ही देन है।

आगे उन्होंने कहा कि वस्तुतः डॉ. आम्बेडकर ने जीवन एवं समाज के प्रत्येक पक्ष को बहुत गहराई से प्रभावित किया है। उनके विचारों में गांधी भी है और बुद्ध भी। वे सदैव शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलकर समाज सुधार और देश की प्रगति की भी बातें करते रहे हैं। सचमुच उनके आदर्शों पर चलना और उनके सपनों को पूरा करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एसोसिएशन के डिविजनल प्रेसिडेंट श्री भोली चौधरी, द.पू.म.रे. मजदूर कांग्रेस यूनियन के मंडल समन्वयक श्री डी. विजय कुमार, द.पू.म.रे. ओबीसी यूनियन से श्री वाय. रामेश्वर राव ने भी बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बौद्ध वंदना भी गई। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइड लाइन का पूर्णतः पालन किया गया।

विशेष संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

संरक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 दिसम्बर 2021 को विशेष संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर श्री श्याम सुंदर गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। वरि मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. डी.एन. बिस्वाल ने स्वागत संबोधन में कहा कि हमारे लिए यात्रियों की संरक्षा सर्वोपरि है। इसके लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ नियमित तौर पर परामर्श भी दिए जाते हैं। संरक्षा हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्मचारियों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि रेल में संरक्षा अति आवश्यक है चूंकि कर्मचारियों, यात्रियों एवं रेलवे संपत्ति की संरक्षा बहुत जरूरी है, अतः संरक्षा से जुड़े कार्यों एवं नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। रायपुर मंडल भारतीय रेलवे के 10 अग्रणी रेल मंडलों में से एक है। ऐसे में सुरक्षित रेल परिचालन हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है। गाड़ियों के मेटेनेंस में सुरक्षा मापदंडों का पालन करना है। कार्य करते समय ट्रेनों की सुरक्षा के साथ स्वयं की सुरक्षा



का भी ध्यान रखना तथा रेलवे ट्रैक पर कार्यों को सावधानी पूर्वक अंजाम देना भी संरक्षा के लिए परम आवश्यक है। इसे नजरअंदाज कर हम आने वाले दिनों में 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ियों का परिचालन नहीं कर पाएंगे।

कोविड-19 की भयावह परिस्थितियों में सुरक्षित संरक्षित रेल परिचालन कार्य को करते हुए जिन रेल कर्मचारियों ने अपने प्राण गवाएं हैं, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस के सदस्यों द्वारा कोरोना काल में निस्वार्थ भाव से जो कार्य किए गए हैं, जैसे स्टेशनों पर यात्रियों की सेवा, श्रमिक ट्रेनों में फूड पैकेट्स वितरण, यात्रियों की सुरक्षित निकासी एवं प्रवेश में सहयोग, वैक्सीनेशन कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके श्रम की जितनी सराहना की जाए, कम है।

इस विशेष संरक्षा संगोष्ठी के दौरान स्पैड से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, हॉट एक्सेल एवं ब्रेक वाइंडिंग का कारण, लक्षण एवं निवारण, शीतकालीन पेट्रोलिंग एवं पेट्रोलिंग के दौरान स्वयं की सुरक्षा, ट्रेन में आग की रोकथाम, अग्निशामक यंत्र का प्रयोग एवं प्रदर्शन आदि विषयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर श्री लोकेश बिश्रोई, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन), श्री आशीष मिश्रा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) सहित मंडल के अधिकारीगण तथा संरक्षा सलाहकार, पर्यवेक्षक, डिप्टी सीटीआई, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड, पोर्टर, ट्रैकमेन आदि रेल परिचालन से जुड़े कर्मचारी उपस्थित थे।

रायपुर मंडल में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह संपन्न

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में भारतीय रेलों पर भी ऊर्जा के बचाव के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी परिप्रेक्ष्य में रायपुर मंडल में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दिनांक 14.12.2021 को विद्युत (सामान्य) विभाग, रायपुर द्वारा मंडल सभाकक्ष में मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में एक ऊर्जा संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें एनर्जी एफिशिएंट सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) द्वारा ऊर्जा के बचाव के बारे में काफी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता के साथ-साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्वादे, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) श्री आशीष मिश्रा एवं विभिन्न शाखा अधिकारी उपस्थित थे। श्री अभिषेक गुप्ता, जनरल मैनेजर, ईईएसएल द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर प्रेजेंटेशन दिया गया। श्री योगेश आर पोफली, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।



ट्रेन इंजनों में रियल टाइम इंफार्मेशन सिस्टम (आरटीईएस)

रियल टाइम इंफार्मेशन सिस्टम एक ऐसी नवीनतम प्रणाली है जिससे ट्रेन के एक स्टेशन से छूटने के पश्चात वह किस समय कहां पहुंची, इसकी सटीक जानकारी मिलती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से रेलवे द्वारा इस द्वारा सैटेलाइट आधारित डिवाइस को रेल इंजनों में लगाया गया है। यह डिवाइस जीपीएस के आधार पर ट्रेनों की गति की गणना कर अपडेट जारी करता है। सैटेलाइट के जरिए ट्रेनों की ट्रैकिंग के लिए इंजनों में लगे लोकेशन सिस्टम डिवाइस के द्वारा सैटेलाइट के जरिए ट्रेनों का लोकेशन सिस्टम में ऑटोमेटिक फीड होते रहता है। इससे न सिर्फ रेल इंजन के वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है, बल्कि यात्रियों को भी ट्रेन के लोकेशन की जानकारी आसानी से दी जा सकती है।

पूर्व में ट्रेनों के लोकेशन की जानकारी स्टेशन से स्टेशन के आधार पर मिलती थी। बीच के लोकेशन की औसत चाल के हिसाब से गणना के आधार पर अपडेट किया जाता था। अब इस उन्नत सिस्टम के शुरू हो जाने से अब ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने की वास्तविक टाइमिंग का पता चलने के साथ-साथ ट्रेन किसी जंगल से गुजर रही है या फिर कहीं आउटर पर खड़ी है, इन सबकी भी सटीक जानकारी मिल जाएगी। अब तक रायपुर मंडल के 93 ट्रेन इंजनों सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुल 106 में रियल टाइम इंफार्मेशन सिस्टम (आरटीईएस) लगाया जा चुका है। चरणबद्ध तरीके से सभी ट्रेन इंजनों में इस प्रणाली को स्थापित किए जाने की योजना है। यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा नई-नई तकनीकों का प्रयोग कर रेल यात्रियों को अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पी.पी.यार्ड, भिलाई में नवप्रवर्तन

1. **सी सी टी वी कैमरा की स्थापना :** आरओएच डिपो, पी.पी.यार्ड, भिलाई भारतीय रेलवे के वैगन मेंटेनेंस डिपो में से एक है। यहां औसतन लगभग 450 रैकों की जाँच की जाती है और फिर लदान के लिए भेजा जाता है। पहले वैगन के फ्लोर का निरीक्षण कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक वैगन में बारी बारी से चढ़ कर किया जाता था, जिसमें मैन पावर और समय दोनों ही अधिक लगता था और कुछ आंशिक मरम्मत कार्य छूट भी जाते थे। परंतु यार्ड के प्रवेश में सीसीटीवी लगाए जाने से वैगनों में विद्यमान कमियों का पता शुरूआत में ही आसानी से लग जाता है। फलतः अब मरम्मत कार्य भी कम समय में एवं कम मैनपावर द्वारा आसानी से कर लिया जाता है। साथ ही वैगनों के आउटगोइंग के दौरान छूटी हुई मरम्मत कार्य का भी पता आसानी से लग जाता है। इस योजना में मैनपावर और समय में सुधार के लिए यार्ड में आने वाले और बाहर जाने वाले सभी रैक के लिए सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी की एक प्रणाली का विकास किया गया।



2. **बीओबीआरएन वैगन का डोर मैकेनिज्म तंत्र :** डोर ऑपरेशन मैकेनिज्म, बीओबीआरएन वैगन का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो वैगन से माल को पूरी तरह से अनलोड करता है। इसका मैकेनिज्म अन्य वैगनों की तुलना में विशेष प्रकार का होता है। पर्यवेक्षक और कर्मचारियों के ज्ञान में सुधार करने के लिए इस इनोवेटिव मॉडल को आरओएच डिपो पी. पी. यार्ड, भिलाई में स्थापित किया गया है।



3. बॉडी पिलर रिपेयर स्ट्रेटनिंग डिवाइस : स्कू जैक जैसे पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके खुली लाइन में बॉडी पिलर की मरम्मत करना बहुत ही मुश्किल है। प्रतिदिन वैगन पिलर की सिक रिपेयर के लिए अतिरिक्त मानव श्रम लगाये जा रहे थे। परिणामस्वरूप आरओएच और सिक रिपेयर बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। बॉडी पिलर रिपेयर स्ट्रेटनिंग डिवाइस विकसित करने के बाद वैगनों के क्षतिग्रस्त बॉडी पिलर की मरम्मत कम मानव श्रम और कम समय के साथ प्रभावी ढंग से की जा रही है। पारंपरिक तरीके से वैगनों के बॉडी पिलर की मरम्मत की कठिनाई को दूर करने के लिए डिपो द्वारा स्कैप सामग्री का उपयोग करके इस बॉडी पिलर स्ट्रेटनिंग डिवाइस को विकसित किया गया है।



4. बीवीजेडआई के लिए ब्रेक सिलेंडर की ओवर हालिंग और टेस्ट बेंच : बीवीजेडआई के लिए बोगी माउंटेड ब्रेक सिलेंडर की ओवर हालिंग और टेस्ट बेंच को इन हाउस विकसित किया गया है, जिससे बीवीजेडआई के ब्रेक सिलेंडर को ओवर हालिंग और टेस्ट किया जा सकता है। पहले यह कार्य यहां पर नहीं हो पता था। इस इनोवेशन के बाद पी पी यार्ड भिलाई में ओवर हालिंग और टेस्टिंग का काम शुरू कर दिया गया है।



- समर कर

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर

पी. पी. यार्ड, भिलाई

- हिंदी भारत की अमरवाणी है, यह स्वतंत्रता और सम्प्रभुता की गरिमा है। - पं. माखनलाल चतुर्वेदी
- राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिये आवश्यक है। - महात्मा गांधी

हिंदी - एक वैज्ञानिक भाषा

आज के छात्रों को शायद नहीं पता होगा कि भारतीय भाषाओं की वर्णमाला वैज्ञानिकता से भरी है। वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर तार्किक है और सटीक गणना के साथ क्रमिक रूप से रखा गया है। इस तरह का वैज्ञानिक दृष्टिकोण अन्य विदेशी भाषाओं की वर्णमाला में शामिल नहीं हैं। जैसे -
क ख ग घ ङ - पाँच के इस समूह को 'कण्ठव्य' या 'कंठ्य' कहा जाता है, क्योंकि इसका उच्चारण करते समय कंठ से ध्वनि निकलती है। उच्चारण का प्रयास करें।

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ		

च छ ज झ ञ - इन पाँचों को 'तालव्य' कहा जाता है, क्योंकि इसका उच्चारण करते समय जीभ तालु से स्पर्श होती है। उच्चारण का प्रयास करें।

ट ठ ड ढ ण - इन पाँचों को 'मूर्धन्य' या 'मूर्धव्य' कहा जाता है क्योंकि इसका उच्चारण करते समय जीभ मूर्धन्य (ऊपर उठी हुई) महसूस करेगी। उच्चारण का प्रयास करें।

त थ द ध न - पाँच के इस समूह को 'दन्त्य' या 'दंतव्य' कहा जाता है, क्योंकि यह उच्चारण करते समय जीभ दांतों को छूती है। उच्चारण का प्रयास करें।

प फ ब भ म - पाँच के इस समूह को कहा जाता है 'ओष्ठव्य' या 'ओष्ठ्य'। क्योंकि दोनों होठ इस उच्चारण के लिए मिलते हैं। उच्चारण का प्रयास करें।

य र ल व को क्रमश तालव्य, मूर्धन्य, दांतव्य और दंतोष्ठ्य कहा गया है।

श ष स को क्रमश दांतव्य, तालव्य और मूर्धन्य कहा गया है।

ह कण्ठव्य है।

क्ष त्र ज्ञ औ श्री को संयुक्त अक्षर मानते हैं।

क्या दुनिया की किसी भी अन्य भाषा में ऐसा विज्ञान मिलता है। हिंदी हमारी अपनी भाषा है, उसके गौरव को बढ़ाएँ।

कलनकर्ता - लोकेश विशनोई

अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

राजभाषा नियम 1976 का नियम - 8

- (1) कोई कर्मचारी किसी फाइल पर टिप्पण या कार्यवृत्त हिंदी या अंग्रेजी में लिख सकता है और उससे यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह उसका अनुवाद दूसरी भाषा में प्रस्तुत करे।
- (2) केन्द्रीय सरकार का कोई भी कर्मचारी, जो हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखता है, हिन्दी में किसी दस्तावेज के अंग्रेजी अनुवाद की मांग तभी कर सकता है, जब वह दस्तावेज विधिक या तकनीकी प्रकृति का है, अन्यथा नहीं।
- (3) यदि यह प्रश्न उठता है कि कोई विशिष्ट दस्तावेज विधिक या तकनीकी प्रकृति का है या नहीं तो विभाग या कार्यालय का प्रधान उसका विनिश्चय करेगा।

माह के साहित्यकार धर्मवीर भारती

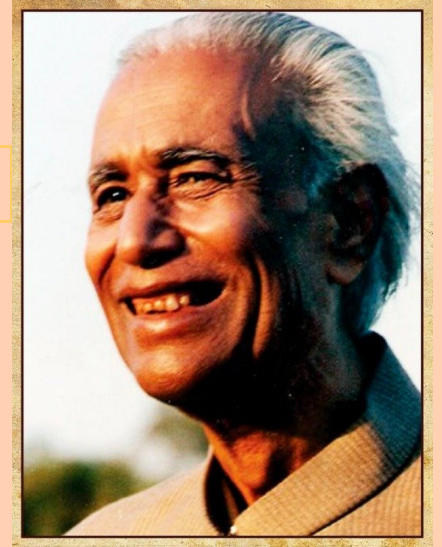
जन्म : 25 दिसंबर 1926

निधन : 04 सितंबर 1997

जन्म स्थान : इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

प्रमुख कृतियाँ : गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा, अंधा-युग, ग्यारह सपनों का देश, प्रारंभ व समापन, नदी प्यासी थी, नीली झील, आवाज़ का नीलाम, मुर्दों का गाँव, स्वर्ग और पृथ्वी,

विविध : पद्मश्री (1972) सर्वश्रेष्ठ नाटककार पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी दिल्ली (1989), भारत-भारती सम्मान (1990)



क्योंकि

...क्योंकि सपना है अभी भी
इसलिए तलवार टूटी अश्व घायल
कोहरे डूबी दिशाएं
कौन दुश्मन, कौन अपने लोग, सब कुछ धुंध धूमिल
किन्तु कायम युद्ध का संकल्प है अपना अभी भी
...क्योंकि सपना है अभी भी!

तोड़ कर अपने चतुर्दिक का छलावा
जब कि घर छोड़ा, गली छोड़ी, नगर छोड़ा
कुछ नहीं था पास बस इसके अलावा
विदा बेला, यही सपना भाल पर तुमने तिलक की तरह
आँका था
(एक युग के बाद अब तुमको कहां याद होगा?)
किन्तु मुझको तो इसी के लिए जीना और लड़ना
है धधकती आग में तपना अभी भी
....क्योंकि सपना है अभी भी!

तुम नहीं हो, मैं अकेला हूँ मगर
वह तुम्ही हो जो

टूटती तलवार की झंकार में
या भीड़ की जयकार में
या मौत के सुनसान हाहाकार में
फिर गूँज जाती हो
और मुझको
ढाल छूटे, कवच टूटे हुए मुझको
फिर तड़प कर याद आता है कि
सब कुछ खो गया है - दिशाएं, पहचान, कुंडल, कवच
लेकिन शेष हूँ मैं, युद्धरत्न मैं, तुम्हारा मैं
तुम्हारा अपना अभी भी
इसलिए, तलवार टूटी, अश्व घायल
कोहरे डूबी दिशाएं
कौन दुश्मन, कौन अपने लोग, सब कुछ धुंध धूमिल
किन्तु कायम युद्ध का संकल्प है अपना अभी भी
... क्योंकि सपना है अभी भी!

- धर्मवीर भारती

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।